समाचार वाणी

ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

अमेरिका, चीन और रूस मे अंस्थिरता ; भारत के पास अरबों डॉलर निवेश खींचने का सुनहरा मौका !

Publisher Published on 19 May 2025

अमेरिका-चीन-रूस की नीतियों ने बढ़ाई वैश्विक अनिश्चितता।

दुनिया की तीन बड़ी शक्तियां — **अमेरिका, चीन और रूस** — आज अस्थिरता के दौर से गुजर रही हैं। अमेरिका में ट्रंप की "**अमेरिका फर्स्ट**" नीति, चीन की सख्त **जियोपॉलिटिक्स** और **रूस की सैन्य आक्रामकता** ने वैश्विक निवेशकों को परेशान कर दिया है। अब निवेशक सुरक्षित और स्थिर विकल्प की तलाश में हैं — और वह विकल्प बन सकता है भारत।

अमेरिका से निवेश पलायन की आशंका

१. अमेरिका में विदेशी निवेशकों के पास **31 ट्रिलियन डॉलर** का निवेश है (शेयर, बॉन्ड और प्रॉपर्टी में)
२. यदि सिर्फ 10% निवेश भी बाहर आता है, तो यह **3–4 ट्रिलियन डॉलर** होगा
३. ट्रंप की नीति और विश्व में बनते तनाव ने निवेशकों को डरा दिया है

चीन और रूस भी अब सुरक्षित नहीं

१. रूस की आक्रामक सैन्य नीति **(यूक्रेन, जॉर्जिया, क्रीमिया)** ने निवेशकों को भारी नुकसान पहुंचाया
२. चीन में अब 'नियमों का अचानक बदल जाना' और **जियोपॉलिटिकल** खतरे चिंता का विषय बन गए हैं
३. कई कंपनियां **वियतनाम, मेक्सिको** और **भारत** की ओर रुख कर रही हैं

भारत : अब निवेशकों की नई पसंद ?

भारत को क्यों मिल सकता है फायदा:

कारण	विवरण

✅ स्थिर राजनीतिक माहौल	वैश्विक अनिश्चितता के बीच भारत में स्थायित्व
✅ तेज़ आर्थिक विकास	GDP वृद्धि दर 6–7%
✅ बड़ा शेयर और बॉन्ड बाज़ार	स्टॉक मार्केट: $4 ट्रिलियन, बॉन्ड मार्केट: $2.5 ट्रिलियन
✅ उत्पादन का केंद्र	Apple जैसी कंपनियां पहले से ही भारत में निर्माण कर रही हैं
✅ FDI-Friendly नीतियाँ	मेक इन इंडिया, PLI स्कीम, और Ease of Doing Business में सुधार

भारत को कितना निवेश मिल सकता है ?

१. यदि अमेरिका से सिर्फ 5% निवेश (200 अरब डॉलर) भारत आता है, तो यह भारत की **GDP** में बड़ा उछाल ला सकता है

२. अभी भारत का विदेशी निवेश **GDP का मात्र 2.5%** है, जबकि यह 5% तक होना चाहिए

३. इस निवेश से **इन्फ्रास्ट्रक्चर, टेक्नोलॉजी, स्टार्टअप्स** और **गवर्नमेंट बॉन्ड्स** में नई जान आएगी।

ऐसी ही देश और दुनिया की बड़ी खबरों के लिए फॉलो करें: www.samacharwani.com

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.